

घ

हिंदी वर्णमाला के व्यंजनों में से कवर्ग का चौथा व्यंजन जिसका उच्चारण जिह्वामूल या कंठ से होता है, यह स्पर्श वर्ण है, इसमें घोष, नाद, संचार और महाप्राण होते हैं।

घंट पुं. (तत्.) 1. घड़ा 2. पानी का वह घड़ा जो किसी के मरने पर उसकी आत्मा को जल पहुँचाने के लिए 10 या 12 दिनों तक पीपल में बाँधकर लटकाते हैं।

घंटक पुं. (तत्.) एक क्षुप जिसका मूल कफ नाशक है।

घंटा पुं. (तत्.) धातु का एक यंत्र जो ध्वनि उत्पन्न करने के लिए होता है, मंदिर आदि में यह बजाया जाता है टी. यह दो प्रकार का होता है एक तो औंधे बरतन के आकार का होता है, जिसमें लंगर लटकता रहता है और उस लंगर को हिलाने से यह बजता है दूसरा जिसे घड़ियाल कहते हैं यह थाली की तरह का होता है इसे किसी लकड़ी आदि की हथौड़ीनुमा चीज से ठोंक कर बजाया जाता है।

घंटाकर्ण पुं. (तत्.) शिव के एक उपासक का नाम जो कान में इसलिए घंटा बाँधे रहता था कि जब कहीं राम या विष्णु का नाम लिया जाए, तब वह अपना सिर हिला दे और घंटे की ध्वनि के कारण वह राम का नाम न सुन सके 2. एक पौधा।

घंटाघर पुं. (तत्.) वह ऊँचा मिनार जिस पर एक ऐसी बड़ी धर्मघड़ी लगी हो जो चारों ओर से दूर तक दिखाई देती हो और जिसका घंटा दूर तक सुनाई देता हो।

घंटानाद पुं. (तत्.) 1. घंटे की ध्वनि 2. कुबेर के एक मंत्री का नाम।

घंटापथ पुं. (तत्.) वह सड़क जो दस धनुष चौड़ी हो, नगर की मुख्य सड़क, राजमार्ग 2. भारवि के किरातार्जुनीय महाकाव्य पर मल्लिनाथ की टीका का नाम।

घंटिका पुं. (तत्.) 1. मगर 2. घड़ियाल स्त्री. (तत्.) बहुत छोटा घंटा, घंटी, छोटे-छोटे लंबे घड़े जो रहट पर लगे रहते हैं, घरिया।

घंटी पुं. (तत्.) बहुत छोटी घंटी, घुंघरु, घंटी की आवाज़।

घंटील स्त्री. (देश.) एक घास जो चारे के काम में आती है और जमीन पर दूर तक फैलती है, गधे इसे बहुत खाते हैं।

घंटु पुं. (तत्.) 1. ताप, प्रकाश, ज्योति 2. हाथी की सजावट से उसकी छाती पर बाँधी जाने वाली घुंघरूदार पट्टी गजघंटा।

घंड पुं. (तत्.) मधुमक्खी।

घँघरा पुं. (देश.) दे. घघरा।

घँघराघोर पुं. (देश.) छूआछूत के विचार का अभाव, भ्रष्टाचार, घालमेल।

घँघरी स्त्री. (देश.) 'घघरी'।

घँघोरना स.क्रि. (देश.) दे. घँघोलना।

घँघोलना स.क्रि. (देश.) हिलाकर घोलना, पानी को हिलाकर उसमें कुछ मिलाना।

घई स्त्री. (तद्.) नदी में पानी का तेजी से गोलाई में घूमना (भँवर) 2. थूनी, टेक 3. जिसकी थाह न लग सके, अत्यंत गंभीर, बहुत गहरा, अथाह।

घघरबेल स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की विषनाशक लता, बंदायु, गरागरी, देवदाली, कर्कटी, जीभूत।

घघरा पुं. (देश.) स्त्रियों के पहनने का एक अधो वस्त्र जिसमें बहुत सी चुन्नटें होती हैं यह कटि से लेकर पाँव तक पहना जाता है, लहंगा, घाघरा।

घट पुं. (तत्.) 1. घड़ा, जलपात्र, कलसा 2. पिंड, शरीर 3. मन, हृदय 4. कुंभक प्राणायाम 5. कुंभराशि 6. एक तौल 8. द्रोण की तौल जो 16 या 32 सेर की मानी जाती है 9. हाथी का कुंभ 10. किनारा 11. नौ प्रकार के द्रव्यों में से एक जिसे तुला भी कहते हैं 12. कम, थोड़ा, घटा हुआ, छोटा, मध्यम प्रयो. अकेले इसका क्रियावत प्रयोग 'घटकर' ही होता है वह कपड़ा इससे कुछ 'घटकर' है 13. मेघ, बादल, घटा।